National Conference on
Arts, Humanities and Social Science (NCAHSS – 2020)
29TH June 2020

CERTIFICATE NO : NCAHSS /2020/ C0620171

सड़क के बच्चों की परिचयात्मक एवं पारिवारिक स्थिति : आगरा परिक्षेत्र का अध्ययन

Sweta

Research Scholar, Department of Sociology, Dr. B. R. Ambedkar University, Agra, India

Dr. Mohd. Arshad

Professor & Head, Department of Sociology, Dr. B. R. Ambedkar University, Agra, India

सारांश

इस समस्या का चयन इस वास्तविकता पर आधारित है कि सड़क के बच्चों का जीवन चूनौतिपूर्ण संघर्ष से भरा है यह समाज के लिए संवेदनशील मुद्दा है।शहरीकरण के विविध अस्वास्थ्यकर विकास का बच्चों पर जबरदस्त प्रभाव पड़ता है। जब बच्चों के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा और परित्याग किया जाता है, तो वे सड़कों पर उतर आते हैं।

यह अध्ययन भारत के आगरा शहर के 6–14 वर्ष तक के सड़क के बच्चों की परिचयात्मक एवं पारिवारिक स्थिति पर केन्द्रित है। शोध पर तथ्य संकलन के लिए शोधकर्ता ने आगरा शहर की व्यस्त सड़क व बाजार सड़क पर सर्वेक्षण करने के लिए उत्तरदाताओं के चयन हेतु सोद्देश्यपूर्ण निर्दशन प्रविधि एवं स्नोवॉल प्रविधि का चयन किया है। अध्ययन के लिए नमूने में 200 सड़क के बच्चे हैं। सर्वेक्षण साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से आयोजित किया गया है। इस शोध में शोधकर्ता ने शोध के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अन्वेषणात्मक एवं वर्णनात्मक अनुसंधान अभिकल्प का चयन किया है। अध्ययन में मात्रात्मक तथा गुणात्मक दोनों शोध पद्धतियों को नियोजित किया गया।

विस्तृत रूप से सड़क के बच्चों की परिचयात्मक जानकारी के अन्तर्गत महत्वपूर्ण तथ्यों जैसे लिंग, आयु, जन्मस्थान, वैवाहिक स्थिति, धर्म, जाति, मातृभाषा, निवास स्थान, शैक्षिक स्तर एवं पारिवारिक जानकारी के अन्तर्गत पारिवारिक प्रकार, माता–पिता के विषय एवं उनके स्वास्थ्य की जानकारी आदि के बारे में विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया है।यह अध्ययन उपर्युक्त विषय पर महत्वपूर्ण तथ्यों को उजागर करता है कि कुल 200 सड़क के बच्चों मे 124 बालक तथा बालिकाओं की संख्या 76 है। 191 सड़क के बच्चे अविवाहित हैं जबकि 9 बच्चे विवाहित है शिक्षित बच्चों की संख्या 110 लेकिन 90 बच्चे अनुकूल वातावरण की कमी से वंचित हुए। पारिवारिक तथ्यों से स्पष्ट है कि 107 बच्चों के परिवार मे 5–8 सदस्यों की संख्या है। सबसे अधिक 98 बच्चों की पारिवारिक आय 2001–5000 रुपये है। कुल 163 उत्तरदाताओं के माता–पिता जीवित है लेकिन 37 बच्चे बिना माता–पिता की छाया के अपना कठिन जीवन गुजार रहे हैं। माता–पिता के स्वास्थ्य स्तर के संदर्भ मे 87 बच्चों के माता या पिता और माता–पिता दोनों अस्वस्थ दशा में है। 145 सड़क के बच्चे सड़क पर कार्य करते हुए माता–पिता के साथ रहते हैं जबकि 33 बच्चे माता–पिता के बिना किसी की देख–रेख में रहते हैं जिनमें 7 बच्चों का अपने परिवार को छोड़ने का कारण टूटा परिवार व कलहपूर्ण वातावरण है।

शब्दकुंजी सड़क के बच्चे, परिचयात्मक एवं पारिवारिक स्थिति, दुर्व्यवहार, उपेक्षा और परित्याग।